(केवल पढ़ने के लिए)

4 चींटी ने पाठ पढ़ाया

गप्पू हाथी थे बड़े **उत्पाती**,
वैसे ही थे उनके साथी।
ये जंगल में करते थे मनमानी,
चलते थे जैसे राजा **अभिमानी**।
जंगल के जानवर थे परेशान,
शेर महाराज भी रहते थे हैरान।
इक दिन राजा ने सभा बुलाई,
वहाँ आए पशुओं को बात बताई।
सबक सिखाने का मिलकर करो उपाय,
चींटी बोली, काम हमें यह **सौंपा** जाए।

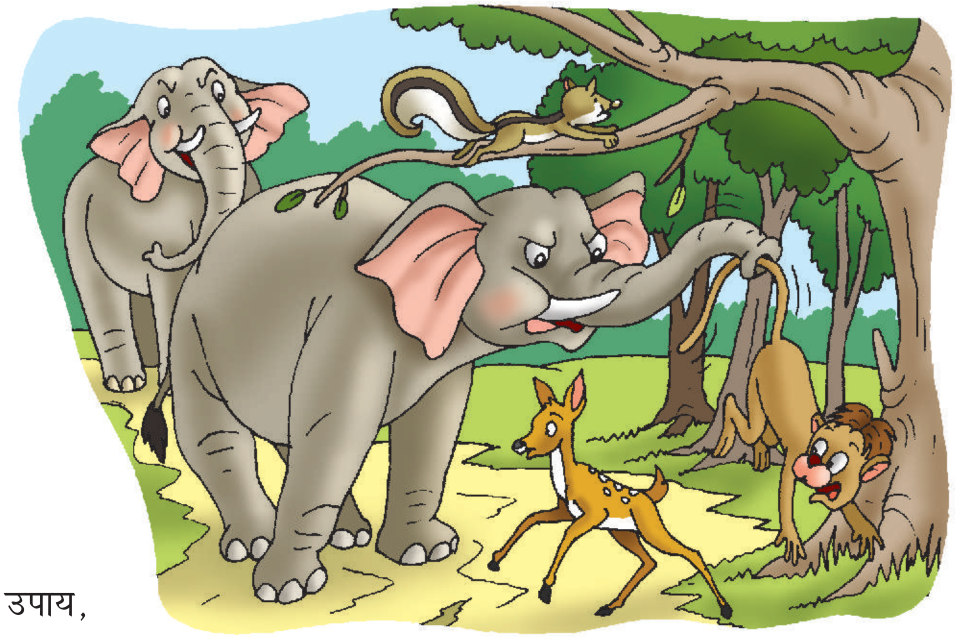

अरे वाह! छोटे मुँह बड़ी बात,
देखो रे देखो चींटी की **बिसात**।
चींटी से नहीं सही गई **कटु** वाणी,
उसने कुछ करने की मन में ठानी।
वह अक्ल के घोड़े दौड़ा रही थी,
बुद्धि के चाबुक चला रही थी।
चलते-चलते वह घर पर आई,
अपनी सेना को सारी कथा सुनाई।
जंगल में बढ़ने लगीं चींटियाँ सारी,
उनके बल से काँप रही थी धरती भारी।

शब्दार्थ: **उत्पाती**–नुकसान पहुँचाने वाला, **अभिमानी**–घमंडी, **सौंपा**–किसी दूसरे व्यक्ति पर भरोसा करके काम देना, **बिसात**–क्षमता, योग्यता, **कटु**–कड़वा, कठोर

वहाँ पहुँच उन्होंने गप्पू को ललकारा,
उसकी हरकत पर उसे खूब **धिक्कारा**।
गप्पू बोला, जो भी है सामने आओ,
अपना काला मुँह मुझे दिखाओ।
यह सुन चींटी ने एक तमाचा मारा,
हल्का नहीं, वह था बहुत **करारा**।
उसने दमादम गप्पू पर लातें बरसाईं,
गप्पू रोया, पर उसे दया नहीं आई।

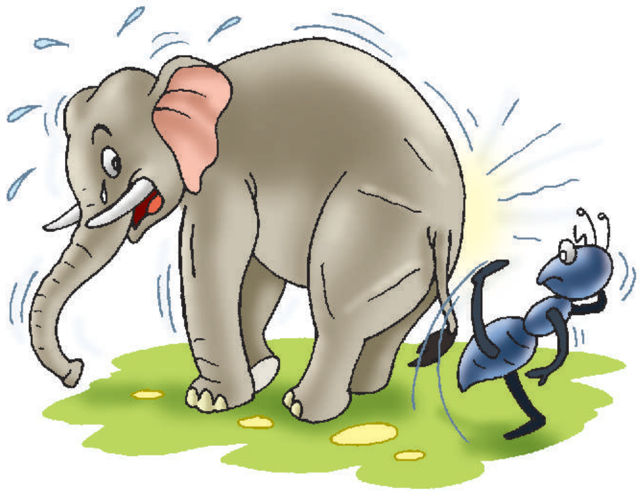

फिर धीमे-धीमे सूँड़ में **सेंध** लगाई,
डंक मार-मारकर उसकी सूँड़ सुजाई।
गप्पू करता था, दर्द से हाय! भैया,
मुझे चींटी से बचाओ मेरी मैया।
बोली–"अब नहीं करना जंगल में **उत्पात,**
लगा अड़ंगी गिरा दूँगी, अगर किया उत्पात।"
कान पकड़ वह बोला–"गलती नहीं दोहराऊँगा,
नहीं करना उत्पात अपने बच्चों को भी समझाऊँगा।"

शिक्षण संकेत:-

शिक्षक कविता को आनंद लेकर पढ़ाएँ, बच्चों को कविता गाने, पढ़ने का अवसर दें। यह कविता मज़े से पढ़ने के लिए है। कविता गाने-पढ़ने के बाद बच्चों से इन बिंदुओं पर बातचीत की जा सकती है, जैसे–

- शेर ने सबकी सभा क्यों बुलाई?
- चींटी ने हाथी को सबक कैसे सिखाया?
- क्या चींटी सचमुच हाथी को अड़ंगी लगाकर गिरा सकती है?
- हमें दूसरों को परेशान क्यों नहीं करना चाहिए? आदि।

शब्दार्थ: धिक्कारा-बुरा-भला कहना, **करारा**-कड़ा, तेज़, **सेंध**-घुसने का रास्ता, **उत्पात**-ऊधम, शैतानी

5 बहादुर दोस्त

दीपक का छठा जन्मदिन था। अम्मा उसके लिए हलुआ और पूरी बना रही थी। वह बार-बार सोचता– "पता नहीं पिताजी मेरे लिए क्या लाएँगे?" शाम को पिताजी आए। दीपक के हाथ में एक छोटी-सी टोकरी थमाई। बोले–"यह रहा तुम्हारा उपहार।" टोकरी में एक छोटा-सा भूरे रंग का पिल्ला था। उसे देख दीपक बहुत खुश हुआ।

वह अम्मा से बोला–"देखो अम्मा, कितना सुंदर-सा पिल्ला है। मैं तो इसका नाम 'लालू' रखूँगा।" दीपक लालू को बहुत चाहता था और लालू भी हमेशा दीपक के पीछे-पीछे रहता। रात को लालू दीपक के पलंग के नीचे सो जाता। कुछ ही दिनों में लालू खूब मोटा और बड़ा हो गया। एक रात की बात है। अचानक, लालू के गुर्राने से दीपक जाग गया। उसने देखा, लालू ज़ोर-ज़ोर से अपने मुँह से उसकी रज़ाई खींच रहा है। "क्या हुआ, लालू, क्या हुआ?" दीपक चिल्लाया। दीपक ने देखा एक चोर बगल में पोटली दबाए दरवाज़े से भाग रहा है। दीपक ने जल्दी से टार्च उठाई। वह "चोर! चोर!" चिल्लाता हुआ बाहर आ गया।

चोर ने दीपक और लालू को आते देखा तो वह घबरा गया। वह दौड़कर झट से घर के सामने एक पेड़ पर चढ़ गया। इतनी देर में दीपक की अम्मा और पिताजी भी दौड़ते हुए वहाँ आ पहुँचे। शोर सुनकर दीपक के पड़ोसी पुलिस वालों को अपने साथ ले आए।

पुलिस वालों ने चोर को नीचे उतरवाया। उससे पोटली लेकर दीपक के पिताजी को वापस की। जाते-जाते सिपाहियों ने दीपक की पीठ थपथपाई। वे बोले–''शाबाश तुमने और तुम्हारे कुत्ते ने तो कमाल कर दिया।'' उस दिन से दीपक और लालू और भी पक्के दोस्त बन गए।

—विनीत कौल

अभ्यास

कहानी में से

1. अम्मा दीपक के लिए क्या बना रही थी?
2. पिताजी दीपक के लिए क्या लाए थे?
3. लालू ने दीपक को क्यों जगाया?
4. पुलिस ने दीपक की पीठ क्यों थपथपाई?

5. नीचे दिए गए वाक्यों को पढ़कर सही (✓) या गलत (×) का निशान लगाइए–

(क) पिताजी दीपक के लिए लट्टू लाए। ☐

(ख) पिल्ले का नाम लालू था। ☐

(ग) लालू दीपक के पलंग के नीचे सोता था। ☐

(घ) दीपक लालू को बहुत प्यार करता था। ☐

(ङ) चोर ने पोटली फेंक दी। ☐

बातचीत के लिए

1. दीपक के जन्मदिन पर अम्मा उसके लिए हलुआ और पूरी बना रही थीं।
   - आपका जन्मदिन कब होता है?
   - आपके जन्मदिन पर आपकी माँ क्या-क्या बनाती हैं?
   - आप अपना जन्मदिन कैसे मनाते हैं?

2. दीपक और लालू पक्के दोस्त बन गए थे।
   - पक्का दोस्त कौन होता है?
   - आपके कौन-कौन से पक्के दोस्त हैं? आप उनको अपना पक्का दोस्त क्यों मानते हैं?

आपकी कल्पना

कहानी में चोर घबराकर पेड़ पर चढ़ जाता है। यदि उसे पेड़ पर चढ़ना न आता तो क्या होता?

भाषा की बात

1. नीचे दिए गए वाक्यों को बोल–बोलकर पढ़िए–

(क) पता नहीं, पिताजी मेरे लिए क्या लाएँगे?

(ख) क्या हुआ, लालू, क्या हुआ?

(ग) वह "चोर! चोर!" चिल्लाता हुआ बाहर आ गया।

2. नीचे दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए–

(क) बार-बार – ....

(ख) पीछे-पीछे – ....

(ग) धीरे-धीरे – ....

(घ) जाते-जाते – ....

जीवन मूल्य

ज़रूरत पड़ने पर पशु भी हमारी मदद करते हैं। हमें भी उनका ध्यान रखना चाहिए।

- आप अपने आस-पास के पशु-पक्षियों की मदद कैसे कर सकते हैं?
- क्या आप उनके हाव-भावों को समझ सकते हैं? कैसे?

कुछ करने के लिए

इस कहानी में दीपक और लालू मिलकर चोर को पकड़वा देते हैं और पुलिस वाले दीपक की पीठ थपथपाते हैं। उस दिन से दीपक और लालू और भी पक्के दोस्त बन गए। कुछ दिन बाद दीपक लालू को अपने साथ पार्क में ले गया। दोनों बॉल से खेल रहे थे। तभी किसी बच्चे के चीखने की आवाज़ सुनाई दी। आवाज़ तालाब की तरफ़ से आ रही थी।

अब आगे की कहानी आप लिखिए–

....

....

....

....

....

....

....

....